सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

अगर हर कोई साथ में आगे बढ़ रहा है तो सफलता खुद अपना ख्याल रख लेती है।
-हेनरी फोर्ड

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 336 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 16 जनवरी, 2023

दिल्ली-यूपी के स्कूल हुए ... 8 | हिमाचल प्रदेश की चारों लोकसभा... 3 | राहुल की भारत जोड़ो यात्रा जालंधर... 7

टीचर्स ट्रेनिंग पर आप और उपराज्यपाल में रार

'दिल्ली सरकार को काम नहीं करने दे रहे हैं एलजी'

» टीचरों को ट्रेनिंग पर फिनलैंड भेजना चाहती है आप सरकार

» दिल्ली विधानसभा में भी जबरदस्त हंगामा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली की आप सरकार ने अध्यापकों को फिनलैंड ट्रेनिंग पर भेजे जाने पर एलजी के रोक संबंधी आदेश पर आपत्ती जताते हुए उनके खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। जहां आप ने विधान सभा में इस मामले को उठाते हुए इसे गलत बताया है, वहीं सीएम अरविंद केजरीवाल ने भी इसे असंवैधानिक बताया है। उन्होंने कहा कि 2018 में सुप्रीम कोर्ट का फैसला आया कि दिल्ली के उपराज्यपाल के पास पब्लिक ऑर्डर, लैंड और पुलिस का अधिकार है, इसके अलावा कोई अधिकार नहीं है।

उन्होंने कहा ऐसे में दिल्ली सरकार के खर्च पर फिनलैंड अध्यापकों को ट्रेनिंग भेजने से रोकना उचित नहीं है।

सीएम ने कहा कि एलजी दिल्ली की जनता द्वारा चुनी गई सरकार को काम नहीं करने दे रहे है। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली के बच्चों को अच्छी शिक्षा देने के लिए सरकार ने अपने टीचरों को वहां भेजन का फैसला किया है। एलजी के इस कदम के खिलाफ आप ने मार्च करके विरोध जताया।

कल तक के लिए सदन की कार्यवाही स्थगित

तीसरी बार बैठक शुरू होने के बाद फिर आप विधायकों ने हंगामा शुरू किया, वहीं दूसरी ओर भाजपा विधायक भी प्रदूषण के मामले में हंगामा कर रहे हैं। विधानसभा अध्यक्ष की बात दोनों पक्षों के विधायकों ने नहीं सुनी जिसके बाद विधानसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही कल तक के लिए स्थगित कर दी।

संविधान और सुप्रीम कोर्ट को मानें एलजी साहब : केजरीवाल

दिल्ली सरकार के काम में एलजी द्वारा हस्तक्षेप किए जाने के विरोध में मार्च कर रहे मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पत्रकारों से बातचीत में कई बातें कहीं। उन्होंने कहा, मैं सुप्रीम कोर्ट का ऑर्डर लेकर आया हूं। सुप्रीम कोर्ट कह रहा है कि एलजी स्वतंत्र रूप से कोई फैसला नहीं ले सकते। आज दिल्ली के मुख्यमंत्री और विधायकों को एलजी हाउस सिर्फ इस चीज के लिए जाना पड़ रहा है, क्योंकि वह शिक्षकों को फिनलैंड जाने की मांग कर रहे हैं। ये कोई बड़ी मांग नहीं है। हम उम्मीद करते हैं कि एलजी साहब को गलती का अहसास होगा। एलजी साहब ने दिल्ली में योगा क्लास रोक दी, इससे उन्हें क्या फायदा।

"दिल्ली के मुख्यमंत्री चाहते हैं कि दिल्ली के शिक्षक ट्रेनिंग के लिए फिनलैंड जाएं, तो एलजी को रोकने की पावर नहीं है। उन्हें सुप्रीम कोर्ट और संविधान को मानना चाहिए।

मनीष सिसोदिया, उपमुख्यमंत्री, दिल्ली

भाजपा विधायक सदन में ऑक्सीजन सिलिंडर के साथ पहुंचे

भाजपा विधायक अभय वर्मा दिल्ली में प्रदूषण का स्तर बढ़ने के विरोध में सदन के अंदर ऑक्सीजन सिलिंडर लगाकर पहुंचे, लेकिन विधानसभा अध्यक्ष ने उनको सिलेंडर बाहर ले जाने के निर्देश दिए। इसके विरोध में वर्मा महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने धरने पर बैठे हैं।

जोशीमठ संकट पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जोशीमठ का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। तीन जजो की पीठ सोमवार को दो बजे इसकी सुनवाई करेगी। उत्तराखंड का जोशीमठ इन दिनों सुर्खियों में है, यहां की जमीन धंस रही है जिसके चलते सैकड़ों घरों में दरारें आ गई हैं, अभी तक 148 भवनों को असेफ चिन्हित करते हुए इसे रहने योग्य नहीं माना था। जोशीमठ को राष्ट्रीय आपदा घोषित किए जाने की मांग उठ रही।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने जोशीमठ संकट को लेकर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। इस याचिका को 16 जनवरी को सूचीबद्ध किया गया था। याचिका को लेकर प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, पीएस नरसिंह और जेपी पारदीवाला की पीठ में सुनवाई हुई। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने जनहित याचिका दायर कर जोशीमठ में हो रहे भूधंसाव को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग की है। उन्होंने यह भी अनुरोध किया है कि प्रभावित लोगों को तत्काल वित्तीय सहायता और मुआवजा दिया जाना चाहिए।

सुनवाई से किया था इनकार

इसके पहले 10 जनवरी को स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के वकील ने याचिका को तत्काल सूचीबद्ध किए जाने का अनुरोध किया था। जिसे सर्वोच्च अदालत ने यह कहते हुए इनकार कर दिया था कि देश में स्थिति से निपटने के लिए लोकतांत्रिक रूप से चुनी गईं संस्थाएं हैं और सभी मामले उसके पास नहीं आने चाहिए। कोर्ट ने 16 जनवरी को याचिका सुनवाई के लिए सूचीबद्ध की थी। याचिकाकर्ता स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने जोशीमठ में आई आपदा के लिए क्षेत्र में तेजी से हो रहे औद्योगीकरण को जिम्मेदार ठहराया है। इसके साथ ही उन्होंने वित्तीय सहायता देने की मांग भी की है। याचिका में कहा गया है कि ऐसे किसी भी विकास की आवश्यकता नहीं है जो मानव जीवन और उसकी पारिस्थितिकी को संकट में डालता है। केंद्र और राज्य सरकारों का कर्तव्य है कि वे ऐसी स्थिति को तुरंत रोकें।

कानून व्यवस्था की आड़ में हो रही घिनौनी राजनीति : मायावती

भाजपा सरकार पर जमकर बोला हमला, ईवीएम पर उठाए सवाल

» दलित, पिछड़े, मुसलमान व अन्य अल्पसंख्यक को एकजुट होने की अपील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 15 जनवरी को अपने जन्मदिन के अवसर से यूपी की पूर्व सीए मायावती व बसपा प्रमुख ने ईवीएम पर सवाल उठाए उन्होंने कहा कि मतपत्रों से चुनाव कराए जाएं। बसपा नेत्री मायावती ने अपने जन्मदिन के अवसर राज्य मुख्यालय पर प्रेस कांफ्रेंस में ये बात कही।

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने मत पत्रों से चुनाव कराने की मांग की है। मायावती ने मॉल एवेन्यू स्थित बसपा मुख्यालय पर 'जन कल्याण दिवस' के रूप में मनाए जा रहे अपने 67वें जन्मदिन के मौके पर सत्तारूढ़ भाजपा की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश समेत पूरे देश में कानून व्यवस्था ठीक करने की आड़ में जो घिनौनी राजनीति हो रही है, वह किसी से छिपी नहीं है। बसपा प्रमुख ने मुख्य

निर्वाचन आयुक्त से मत पत्र से चुनाव कराए जाने के लिए पुरजोर मांग करते हुए कहा कि देश में ईवीएम के जरिए चुनाव को लेकर यहां की जनता में किस्म-किस्म की आशंकाएं व्याप्त हैं और उन्हें खत्म करने के लिए बेहतर यही होगा कि अब यहां आगे छोटे-बड़े सभी चुनाव पहले की तरह मत पत्रों से ही कराए जाएं। मायावती ने दलितों, पिछड़ों, मुसलमानों और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों को एकजुट होने की अपील की।

आरक्षण को लेकर सपा, कांग्रेस और भाजपा ईमानदार नहीं

बसपा प्रमुख ने कांग्रेस, भाजपा और समाजवादी पार्टी (सपा) पर सीधा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि अब तक के अनुभव यही बताते हैं कि इन जातिवादी सरकारों के चलते इन वर्गों के लोगों को संविधान में मिले उनके कानूनी अधिकारों का अब तक सही लाभ नहीं मिल सका है। मायावती ने कहा कि खासकर आरक्षण के मामले में तो शुरू से ही यहां कांग्रेस, भाजपा और सपा सहित अन्य विरोधी पार्टियां अपने संवैधानिक उत्तरदायित्व के प्रति कतई ईमानदार नहीं रही हैं। अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण लागू करने के मामले में ही नहीं, बल्कि अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आरक्षण को लेकर भी इन दलों का रवैया जातिवादी और क्रूर रहा है।

अमर्त्य सेन के बयान पर केंद्रीय मंत्री का पलटवार

पीएम के लिए कोई वैकेंसी नहीं : प्रधान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बीजेपी के नेता और भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस तथा इस्पात मंत्रालय के कैबिनेट मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अमर्त्य सेन के बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने आगामी लोकसभा चुनावों में दोबारा से बीजेपी की जीत के ही अनुमान लगाए हैं। उन्होंने कहा कि पीएम की कुर्सी पर लोग सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ही देखना चाहते हैं। धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि भारत में पीएम के लिए कोई वैकेंसी नहीं है।

भारत में इस साल 10 राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने हैं। साल 2024 में भारत के सबसे महत्वपूर्ण लोकसभा के चुनाव करवाए जाएंगे। वर्तमान में लोकसभा में बीजेपी 2014 से लगातार सत्ता में कायम है। इसी कड़ी में आगामी लोकसभा चुनाव के लिए विभिन्न राजनीतिक पार्टियां अपनी जीत की तैयारी होने करने में लग गई हैं। विभिन्न दल अपनी जीत के अनुमान भी लगा रहे हैं। हाल ही में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित भारत के अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन ने आगामी लोकसभा चुनाव में तृणमूल की सुप्रीमो ममता बनर्जी के पीएम बनने का अनुमान लगाया था। उनके इस बयान से पलटवार का दौर शुरू हो गया है। उन्होंने कहा पिछले 2 कार्यकाल से भारत के लोगों ने पीएम मोदी पर भरोसा बनाए रखा है।

तेलंगाना कृषि मॉडल को अपनाए देश : केसीआर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने अपने राज्य की तर्ज पर देश के कृषि मॉडल को बदलने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के कृषि क्षेत्र में क्रांतिकारी प्रगति की प्रेरणा से जिस दिन कृषि पूरे देश के किसान समुदाय के लिए खुशी के त्योहार में बदल जाएगी, उस दिन भारत में एक पूर्ण क्रांति होगी।

मुख्यमंत्री ने सभी लोगों के सहयोग और सामूहिक प्रयासों से देश के कृषि क्षेत्र के मॉडल को बदलने की जरूरत को रेखांकित किया। केसीआर ने भोगी, मकर संक्रांति और कनुमा त्योहारों के अवसर पर तेलंगाना और भारत के किसानों और लोगों को बधाई भी दी। उन्होंने कहा कि संक्रांति किसानों के खेतों से धान के स्टॉक के उनके घरों तक पहुंचने के शुभ अवसर पर मनाया जाने वाला उत्सव है। संक्रांति त्योहार किसानों द्वारा धरती माता को धन्यवाद देने का दिन है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री, जो राव के नाम से भी जाने जाते हैं, ने दावा किया कि तेलंगाना सरकार द्वारा कृषि क्षेत्र को पुनर्जीवित करने के लिए की गई गतिविधियों के साथ, हरे फसल वाले खेतों, अनाज के ढेर, डेयरी मवेशियों और मीठी मिट्टी की महक वाले तेलंगाना के गांव संक्रांति की चमक को बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य के कृषि क्षेत्र द्वारा हासिल की गई प्रगति पूरे देश के लिए एक रोल मॉडल बन गई है।

बीजेपी के नापाक इरादे सफल नहीं होंगे : तेजस्वी

» कहा-सोची समझी राजनीतिक साजिश कर रही भाजपा

» अपने नेताओं पर भी जमकर बरसे बिहार के डिप्टी सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। तेजस्वी यादव दिल्ली से पटना पहुंचते ही बीजेपी नेताओं पर जमकर बरसे। उन्होंने अपने नेताओं को भी नहीं छोड़ा। हालांकि इस दौरान तेजस्वी यादव ने जेडीयू नेताओं के बारे में बहुत कुछ कहा, लेकिन उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया। तेजस्वी यादव ने ये जरूर कहा कि एड़ी अलगा कर बयान देने से थोड़े होता है। हम सभी लोग को जानते हैं। कुछ होने वाला नहीं है।

बिहार के डिप्टी सीएम ने कहा कि बीजेपी एक सोची समझी राजनीतिक साजिश के तहत कार्य कर रही है। सब जानते हैं यह साजिश एक-डेढ़ वर्ष पूर्व शुरू हुई। कभी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को उपराष्ट्रपति बनाने की अफवाह फैलाई जा रही थी, कभी राज्यपाल बनाने की, कभी केंद्रीय मंत्री बनाने खबरें बनाई जा रही थी। यह सब बीजेपी, भाजपा समर्थित मीडिया और बीजेपी माइंडेड लोग कर रहे थे। तेजस्वी यादव ने आगे कहा कि अब जब से बिहार में महागठबंधन बना है। महागठबंधन सरकार ने अपने एजेंडे के तहत नौकरियां दे रही है। जातिगत जनगणना कराने का कार्य शुरू किया है। वही लोग फिर से साजिशें कर रहे हैं। नीतीश कुमार और हम सब इन सभी बातों को समझते हैं और उन लोगों को पहचानते भी हैं। इस दौरान तेजस्वी यादव ने किसी का नाम तो नहीं लिया। लेकिन बयान से साफ लगता है कि शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर को भी बीजेपी एजेंट बता रहे हैं। इससे पहले कुछ इसी तरह का बयान देकर सुधकर सिंह को बीजेपी एजेंट बताया था। तेजस्वी यादव ने कहा कि धर्म को राजनीति से दूर रखना चाहिए, तभी हम जनता के असल मुद्दों पर बात कर पाएंगे। मंदिर -मस्जिद, हिंदू-मुस्लिम ये सब बीजेपी और बीजेपी समर्थित मीडिया के पसंदीदा मुद्दे है।

सब जानते हैं, जनता किसके साथ है

तेजस्वी यादव ने आगे कहा कि बिहार में महागठबंधन के शीर्ष नेता आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हैं। सब जानते हैं, जनता किसके साथ है। बिहार की जनता नीतीश कुमार और लालू प्रसाद के साथ है, ना की बयानवीर चर्चित नेताओं के पास। डिप्टी सीएम ने आगे कहा कि हम सबों को सभी जाति-धर्मों और ग्रंथों का सम्मान करना चाहिए। ग्रंथों और धर्म की उसकी बजाय वास्तविक मुद्दों पर बहस होनी चाहिए।

बामुलाहिजा

कार्टून : हसन जैदी

शाह को क्रांतिकारियों की भूमिका बताने की जरूरत नहीं : तुषार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोझिकोड। महात्मा गांधी के प्रपौत्र तुषार गांधी ने कहा है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह देश के स्वतंत्रता आंदोलन में सशस्त्र क्रांतिकारियों के योगदान के बारे में बात न करें। इसकी कोई आवश्यकता नहीं है, क्योंकि बापू ने स्वयं उनकी भूमिका को स्वीकार किया था। शाह ने हाल ही में कहा था कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान अहिंसक आंदोलन के केवल एक प्रकार के आख्यान को ही शिक्षा, इतिहास और दंतकथाओं के माध्यम से लोगों पर थोपा गया है, जबकि भारत की स्वतंत्रता सशस्त्र क्रांतिकारियों के योगदान सहित सामूहिक प्रयासों का परिणाम थी।

तुषार ने केरल साहित्य महोत्सव के छठे संस्करण में कहा कि हमें ये बातें कहने के लिए किसी अमित शाह की जरूरत नहीं है। उन्हें ये बातें इसलिए कहने की अवश्यकता है, क्योंकि उनके पास अपने बारे में या अपनी विचारधारा के बारे में कहने के लिए कुछ भी नहीं है। बापू ने स्वयं स्वीकार किया था कि केवल उनके प्रयत्नों से ही स्वतंत्रता प्राप्त नहीं हुई थी। महात्मा गांधी ने सभी को श्रेय दिया था, यहां तक कि क्रांतिकारियों के पहले के प्रयासों को भी। उन्होंने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के योगदान को भी स्वीकार किया था।

ओपीएस बहाली, वोटों की खुशहाली!

पंजाब व झारखंड में भी बहाल है पुरानी पेंशन योजना

» 2024 में मिल सकता है फायदा

» राजस्थान व छत्तीसगढ़ में पहले से है स्कीम

» भाजपा शासित राज्यों में बनेगा बड़ा मुद्दा!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) हिमाचल में लागू करके कांग्रेस सरकार ने 2024 लोक सभा चुनाव के लिए अपनी मंशा जता दिए हैं। हिमाचल इस फैसले को लेने वाला पांचवां राज्य बन गया है। जो अन्य राज्य हैं उनमें राजस्थान, छत्तीसगढ़, पंजाब व झारखंड शामिल है। पश्चिम बंगाल में भी ओपीएस लागू है, इनमें जहां राजस्थान व छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकारें है वहीं पंजाब में आप व झारखंड में झामुओ की सरकार है जबकि बंगाल में टीएमसी काबिज है। इस हिसाब से माने तो कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और झारखंड मुक्ति मोर्चा की सरकारों ने देश में ओपीएस बहाली में बाजी मारी है। ओपीएस की पुरानी योजना को लागू करवाने की कर्मचारियों की मांग पुरानी है। बीजेपी शासित राज्य हो या अन्य दलों की सरकारों वाले प्रदेश सभी जगह के सरकारी कर्मचारी पुरानी पेंशन चाहते हैं इसके लिए वो समय-समय आंदोलन भी करते रहते हैं। इस मुद्दों को राजनीतिक दलों ने लपक लिया है। जहां-जहां भी चुनाव होते है वहां राजनैतिक दल अपनी घोषणा पत्र में इसे शामिल करके इस पर वोट हासिल करने की जुगत में लग जाते हैं और उसका लाभ भी उन्हें मिलता है। राजनैतिक रुप से यह मुद्दा दलों की सियासत चमकाने वाला हो सकता है परंतु इस योजना का एक मानवीय पहलू भी। पेंशन कर्मचारी को बुढ़ापे में उसकी जरूरत को पूरा करने में कारगर साबित होता है। साथ ही कर्मचारी के न होने पर उसके परिवार (पत्नी) को भी राहत देता है। इसलिए इसे बहाल होना चाहिए।

गौरतलब हो कि राजस्थान, छत्तीसगढ़, झारखंड और पंजाब में वर्ष 2022 में पुरानी पेंशन बहाल हुई है। इन फैसलों से कांग्रेस और आम आदमी पार्टी की सरकारों ने अपने चुनावी वायदे निभा दिए हैं। हालांकि भाजपा शासित राज्यों में अभी भी इस बहाली का इंतजार है। राजस्थान सरकार ने 23 फरवरी 2022 को पुरानी पेंशन बहाल करने का एलान किया था। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने चौथे बजट में यह घोषणा पूरी की। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मार्च 2022 में पेश किए बजट में पुरानी पेंशन देने की घोषणा की। एक सितंबर 2022 से झारखंड में हेमंत सोरेन सरकार ने पुरानी पेंशन बहाल की है। पंजाब में 21 अक्तूबर 2022 को मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मंत्रिमंडल की बैठक में ओपीएस बहाल करने का निर्णय लिया। राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकारें हैं। झारखंड में कांग्रेस के समर्थन से झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व में सरकार बनी है।

पुरानी पेंशन योजना में ये हैं प्रावधान

इस योजना में सेवानिवृत्ति के समय कर्मचारी के वेतन की आधी राशि पेंशन के रूप में दी जाती है। पेंशन के लिए कर्मचारी के वेतन से कोई पैसा नहीं कटता है। भुगतान सरकार की ट्रेजरी के माध्यम से होता है। 20 लाख रुपये तक ग्रेच्युटी की रकम मिलती है। सेवानिवृत्त कर्मचारी की मृत्यु होने पर उसके परिजनों को पेंशन राशि मिलती है। पुरानी योजना में जनरल प्रोविडेंट फंड यानी जीपीएफ का प्रावधान है। इसमें महंगाई भत्ते को भी शामिल किया जाता है।

पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार है। पश्चिम बंगाल देश का एकमात्र ऐसा राज्य हैं जहां पुरानी पेंशन योजना बंद ही नहीं हुई। पहले वामपंथी सरकारों ने केंद्र सरकार की नई पेंशन योजना को लागू नहीं किया। फिर ममता बनर्जी ने भी मुख्यमंत्री बनने के बाद पुरानी पेंशन योजना को ही जारी रखा। त्रिपुरा में फरवरी 2018 में भाजपा सरकार के बनते ही पुरानी पेंशन योजना को बंद कर नई पेंशन योजना लागू की गई। इससे पूर्व 2017 तक वाम सरकार के समय त्रिपुरा में भी पुरानी पेंशन योजना ही लागू रही। देश के पांच राज्यों में पुरानी पेंशन बहाल होने से भाजपा शासित राज्यों में भी यह मांग जोर पकड़ने लगी है।

नई और पुरानी पेंशन योजना में कई बड़े अंतर हैं

इस स्कीम में रिटायरमेंट के समय कर्मचारी के वेतन की आधी राशि पेंशन के रूप में दी जाती है। जबकि नई पेंशन स्कीम में कर्मचारी की बेसिक सैलरी+डीए का 10 फीसद हिस्सा कटता है। पुरानी पेंशन स्कीम में पेंशन के लिए कर्मचारी के वेतन से कोई पैसा नहीं कटता है। वहीं नई पेंशन स्कीम में छह महीने बाद मिलने वाले डीए का प्रावधान नहीं है। पुरानी पेंशन स्कीम में भुगतान सरकार की ट्रेजरी के माध्यम से होता है। वहीं नई योजना में रिटायरमेंट के बाद निश्चित पेंशन की गारंटी नहीं होती। पुरानी स्कीम में रिटायर्ड कर्मचारी की मृत्यु होने पर उसके परिजनों को पेंशन की राशि मिलती है। नई योजना में एनपीएस शेयर बाजार पर आधारित है, इसलिए यहां टैक्स का भी प्रावधान है। नई और पुरानी पेंशन योजना का कर्मचारियों की पेंशन पर बड़ा अंतर है। इसे ऐसे समझें कि अगर अभी 80 हजार रुपये सैलरी पाने वाला कोई शिक्षक रिटायर होता है तो पुरानी पेंशन योजना के हिसाब से उसे करीब 30 से 40 हजार रुपये की पेंशन मिलेगी। वहीं अगर नई पेंशन योजना के हिसाब से देखें तो उस शिक्षक को बमुश्किल 800 से एक हजार रुपये की ही पेंशन मिलेगी।

राजग के समय में हुई थी ओल्ड पेंशन स्कीम बंद

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने एक अप्रैल, 2004 से ओल्ड पेंशन स्कीम को बंद कर दिया था। ओल्ड पेंशन स्कीम के तहत पेंशन की पूरी राशि सरकार देती थी। यह पेंशन रिटायरमेंट के समय कर्मचारी के वेतन पर आधारित होती थी। इस स्कीम के तहत रिटायर्ड कर्मचारी की मौत के बाद उसके परिजनों को भी पेंशन का प्रावधान था। नई पेंशन योजना के तहत कर्मचारी अपने मूल वेतन का 10 फीसदी हिस्सा पेंशन के लिए देते हैं। जबकि राज्य सरकार इसमें 14 फीसदी का योगदान देती है। अटल बिहारी वाजपेई की सरकार ने अप्रैल 2005 के बाद नियुक्त होने वाले कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन स्कीम को बंद कर दिया था। इसकी जगह नई पेंशन योजना लागू की गई थी। इसके बाद राज्यों ने भी नई पेंशन योजना को अपना लिया। इसके बाद से नई पेंशन योजना चल रही है।

अर्थव्यवस्था के लिए घातक हो सकती है योजना

बीते महीने आईएसबीआई के अर्थशास्त्रियों की लिखी एक रिपोर्ट के मुताबिक, पुरानी पेंशन योजना आने वाले समय में इकनॉमी के लिए घातक साबित हो सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक, गरीब राज्यों की श्रेणी में आने वाले छत्तीसगढ़, झारखंड और राजस्थान में सालाना पेंशन देनदारी तीन लाख करोड़ रुपये अनुमानित है। झारखंड के मामले में यह 217 फीसदी, राजस्थान में 190 फीसदी और छत्तीसगढ़ में 207 फीसदी है। रिपोर्ट में सुझाव दिया गया कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित समिति ऐसे खर्चों को राज्य की जीडीपी या राज्य के कर संग्रह के एक फीसदी तक सीमित कर दे। इधर एक्सपर्ट के मुताबिक, पहले से ही कर्ज में डूबे राज्यों के लिए यह योजना नई

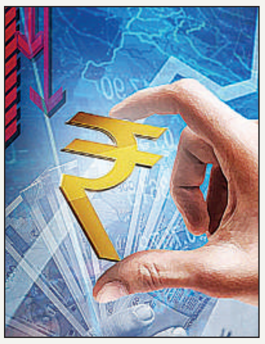

मुसीबत ला सकती है। इससे आगामी सरकारों पर बड़ा वित्तीय बोझ पड़ेगा। वहीं कुछ समय पहले केंद्रीय वित्त आयोग के चेयरमैन एनके सिंह ने पुरानी पेंशन योजना को देश की अर्थव्यवस्था के लिए अन्यायपूर्ण बताया था। वहीं उन्होंने इस विषय में सभी राज्य सरकारों को कड़ी आपत्तियों के साथ चेतावनी पत्र भेजा था। नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने भी कुछ राज्यों द्वारा पुरानी पेंशन योजना को दोबारा शुरू करने पर चिंता जताई थी।

हिमाचल प्रदेश की चारों लोकसभा सीटों पर है कांग्रेस की नजर

पुरानी पेंशन स्कीम (ओपीएस) समेत कांग्रेस के प्रतिज्ञा पत्र की दो और गारंटियों को लागू कर मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू मिशन 2024 की चुनावी बिसात बिछा रहे हैं। अगले साल होने जा रहे लोकसभा चुनाव में सुक्खू के लक्ष्य में हिमाचल प्रदेश की चारों लोकसभा सीटें होंगी। अभी कांग्रेस के पास केवल एक ही सीट मंडी है, तीन अन्य सीटें कांगड़ा, हमीरपुर और शिमला पर भाजपा काबिज है। मंडी संसदीय क्षेत्र में विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को 17 में से केवल पांच सीटें ही मिल पाई हैं। सुक्खू ने पहली कैबिनेट बैठक के बाद ओपीएस को तत्काल लागू करने और दो अन्य गारंटियों को इसी वर्ष धरातल पर उतारने की बात की है। राजनीतिक पंडितों के अनुसार सुक्खू ने पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर के इस गृह क्षेत्र में आभार रैली की सलाह भी इसी रणनीति के तहत दे डाली है। संगठन के पहले पायदान एनएसयूआई से अपनी यात्रा शुरू करने वाले सुखविंद्र सिंह सुक्खू को कांग्रेस हाईकमान ने हिमाचल का मुख्यमंत्री बनाकर उन पर बड़ा भरोसा जताया है। कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व को वीरभद्र सिंह के न रहने के बाद वही हिमाचल में कांग्रेस के खेवनहार लगे हैं। ऐसे में हिमाचल में लोकसभा चुनाव में चारों सीटों को अगर सुक्खू सोनिया, राहुल, प्रियंका और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की झोली में डाल पाए तो वह इस विश्वास को कायम रख पाएंगे। इसी के चलते सुक्खू सरकार ने चुनाव से पहले कांग्रेस के प्रतिज्ञा पत्र में शामिल तीन गारंटियों को वायदे के अनुरूप पहली कैबिनेट में मंजूरी दे डाली है। वायदे के मुताबिक ओपीएस के पहली कैबिनेट बैठक से ही लागू करने के आदेश जारी हो गए हैं तो राज्य में 18 से 60 साल की हर महिला को 1500 रुपये देने और एक लाख युवा बेरोजगारों को रोजगार दिलाने की गारंटियों पर भी मंत्रिमंडलीय उपसमितियां बनाई हैं, जिन्हें एक महीने में रिपोर्ट देकर एक साल में लागू करने की योजना भी बना ली है। यानी सुक्खू ने हिमाचल की आधी आबादी महिला वर्ग और प्रदेश के युवाओं पर फोकस किया है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

कथक की कला का अपमान

"देश में आए दिन किसी न किसी बात को लेकर महिलाओं के लिए अभद्र भाषा का प्रयोग किया जाता है। कभी उनके पहनावे को लेकर समाज उनको जज करता है तो कभी उनके बेबाकी को समाज बेशर्मी बताता है। हाल ही में देश के जाने माने योगगुरू बाबा रामदेव ने महिलाओं के कपड़े को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी।"

पूरी दुनिया में ये मिसाल दी जाती है कि भारत एक ऐसा मुल्क है जहां नारियों को सम्मान दिया जाता है। लेकिन समय बदलने के साथ लोगों का नजरिया ही बदल दिया है। समय समय पर नारी का अपमान किया गया है। कभी औरतों के साथ दरिंदगी कर के कभी उनको प्यार के नाम पर धोखा देकर। हमेशा महिलाओं को ही समाज के ताने सुनने पड़ते हैं। कभी गलत इल्जाम तो कभी भद्दे आरोप के चलते नारियों को हमेशा रुस्वा होना पड़ा है। देश में आए दिन किसी न किसी बात को लेकर महिलाओं के लिए अभद्र भाषा का प्रयोग किया जाता है। कभी उनके पहनावे को लेकर समाज उनको जज करता है तो कभी उनके बेबाकी को समाज बेशर्मी बताता है। हाल ही में देश के जाने माने योगगुरू बाबा रामदेव ने महिलाओं के कपड़े को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी । दरअसल ठाणे में एक कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा था, कि महिलाएं साड़ी पहनकर भी अच्छी लगती हैं।

सलवार कमीज पहन कर भी अच्छे लगती हैं... मेरी राय में बिना कुछ पहने भी अच्छे लगती हैं। उनका यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। बता दें दौरान कार्यक्रम में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस भी मौजूद थीं। पर किसी ने कोई आपत्ति नहीं की। इसी तरह की अभद्र टिप्पणी को नजरअंदाज करने का अंजाम ये रहा कि आए दिन महिलाओं को समाज में कुछ लोग टार्गेट करते है। बीते दिनों एयर इंडिया की फ्लाइट में एक शर्मनाक वाकया को अंजाम दिया गया, जहां एक महिला के सीट पर एक व्यक्ति ने पेशाब कर दिया, इस वारदात को अंजाम देने वाले व्यक्ति को दिल्ली पुलिस ने काफी कोशिशों के बाद गिरफ्तार कर लिया था। दरअसल 26 नवंबर 2022 को एयर इंडिया की फ्लाइट न्यूयॉर्क से दिल्ली जा रही थी जिस दौरान बिजनेस क्लास में सफर कर रहे शंकर मिश्रा ने नशे की धुत्त 70 साल की महिला पर पेशाब कर दिया था। काफी खोज के बाद उसको गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया था जहां शंकर मिश्रा के वकील ने उलटा महिला पर ही पेशाब करने का आरोप लगा दिया। दरअसल वकील का कहना है कि महिला प्रोस्टेट से संबंधित किसी बीमारी से पीड़ित थीं जिससे कई 'कथक नर्तक' पीड़ित प्रतीत होते हैं। जिसके चलते महिला ने अपनी सीट पर खुद ही पेशाब कर दिया होगा। जिसके बाद टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा महिला के पक्ष में आकर शंकर मिश्रा के वकील के आरोप को गलत बताया। उन्होंने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि इससे शालीनता भंग हुई है। इस पूरी घटना से पता चलता है कि देश में महिलाओं की गरिमा को कई बार ठेस पहुंचाई गई है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

पहाड़ों को मिले विकास की नयी परिभाषा

पंकज चतुर्वेदी

छह जनवरी, 2023 को जब उत्तराखंड राज्य सरकार के आपदा सचिव रंजित सिन्हा के नेतृत्व में वैज्ञानिक, इंजीनियर आदि की टीम जोशीमठ का निरीक्षण करने पहुंची तब तक बहुत देर हो चुकी थी। जिन पहाड़ों, पेड़ों, नदियों ने पांच हजार साल से अधिक समय तक मानवीय सभ्यता, अध्यात्म, धर्म, पर्यावरण को विकसित होते देखा था, वे बिखर चुके थे। न सड़क बच रही है न मकान। न ही नदी के किनारे। सरकार ने भी कह दिया कि जोशीमठ को खाली करना होगा, अस्थाई आसरे और चार हजार रुपये महीने के मुआवजे की घोषणा हुई है। लेकिन इन हजारों लोगों के जीविकोपार्जन का क्या होगा? आदि शंकराचार्य द्वारा स्थापित स्थान, मूल्य और संस्कार का क्या होगा? आंसुओं से भरे चेहरे और आशंकाओं से भरे दिल अनिश्चितता और आशंका के बीच त्रिशंकु हैं।

जब दुनिया पर जलवायु परिवर्तन का कहर सामने दिख रहा है, हिमालय पहाड़ पर, विकास की नई परिभाषा गढ़ने की तत्काल जरूरत महसूस हो रही है। जान लें यह केवल जोशीमठ की बात नहीं है, पहाड़ पर जहां-जहां सर्पीली सड़क पहुंच रही है, पर्यटक का बोझा बढ़ रहा है, पहाड़ों के दरकने-सरकने की घटनाएं बढ़ रही हैं। उत्तराखंड सरकार के आपदा प्रबंधन विभाग और विश्व बैंक ने सन् 2018 में एक अध्ययन करवाया था, जिसके अनुसार छोटे से उत्तराखंड में 6300 से अधिक स्थान भूस्खलन जोन के रूप में चिन्हित किये गये। रिपोर्ट कहती है कि राज्य में चल रही हजारों करोड़ की विकास परियोजनाएं पहाड़ों को काट कर या जंगल उजाड़ कर ही बन रही हैं। इसी से भूस्खलन जोन की संख्या में इजाफा हो रहा है। मसूरी में सड़क जाम से बचने के लिए 2.74 किलोमीटर लंबी सुरंग के लिए 700 करोड़ रुपये मंजूर कर दिए गए जबकि सन् 2010 में मसूरी की आईएएस अकादमी ने एक शोध में बता दिया था कि मसूरी के संसाधनों पर दबाव सहने की क्षमता चुक चुकी है। मसूरी की आबादी मात्र तीस हजार है और इनमें भी आठ हजार लोग ऐसे मकानों में रहते हैं, जहां भूस्खलन का खतरा है, इतने छोटे से स्थान पर हर साल कोई पचास लाख लोगों का पहुंचना पानी, बिजली, सीवर सभी पर अत्यधिक बोझ का कारक है।

ऐसे में सुरंग बनाकर अधिक पर्यटक भेजने की कल्पना वास्तव में मसूरी की बर्बादी का दस्तावेज होगा। जब अंग्रेज शासन में थे तो वहां ट्रेन लाने के लिए सुरंग की बात आई तो जन विरोध के चलते उस काम को रोकना पड़ा था और आधी-अधूरी पटरियां पड़ी

रह गयी थीं। उत्तराखंड के सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थल नैनीताल का अस्तित्व ही भूस्खलन के कारण खतरे में है। यहां बालियानाला, चाइनापीक, मालरोड, कैलाखान, ठंडी सड़क, टिफिनटॉप सात नंबर जबर्दस्त भूस्खलन क्षेत्र हैं। सन् 1880 में नैनीताल की आबादी बमुश्किल दस हजार थी, और यहां भयानक भूस्खलन हुआ, कोई डेढ़ सौ लोग मारे गये थे। उन दिनों तब की ब्रितानी हुकूमत ने पहाड़ गिरने से सजग होकर नए निर्माण पर तो रोक लगाई ही थी, शेर का डांडा पहाड़ी पर तो घास काटने, चरागाह के रूप में उपयोग करने और बागवानी पर भी प्रतिबंध लगा दिया था। कुमाऊं विवि के भूवैज्ञानिक प्रो. बीएस कोटलिया बताते हैं कि नैनीताल और नैनीझील के बीच से गुजरने वाले फॉल्ट के एक्टिव होने से भूस्खलन और भूधंसाव की घटनाएं हो रही हैं। शहर में लगातार बढ़ता भवनों का दबाव और भूगर्भीय हलचल इसका कारण हो सकते हैं। दुनिया के सबसे युवा और जिंदा पहाड़ कहलाने वाले हिमालय में हरियाली उजाड़ने की कई परियोजनाएं खतरा बनी हुई हैं। नवंबर-2019 में राज्य की कैबिनेट से स्वीकृत नियमों के मुताबिक कम से कम दस हेक्टेयर में फैली हरियाली को ही जंगल कहा जाएगा। यही नहीं, वहां न्यूनतम पेड़ों की सघनता घनत्व 60 प्रतिशत से कम न हो और जिसमें 75 प्रतिशत स्थानीय वृक्ष प्रजातियां उगी हों। जाहिर है कि जंगल की परिभाषा में बदलाव का असल इरादा ऐसे कई इलाकों को जंगल की श्रेणी से हटाना है जो कि कथित विकास के राह में रोड़े बने हुए हैं। उत्तराखंड में बन रही पक्की सड़कों के लिए 356 किलोमीटर के वन क्षेत्र में कथित रूप से 25 हजार पेड़ काट डाले गए। मामला एनजीटी में भी गया लेकिन तब तक पेड़ काटे जा चुके थे।

सड़कों का संजाल पर्यावरणीय लिहाज से संवेदनशील उत्तरकाशी की भागीरथी घाटी से भी गुजर रहा है। उत्तराखंड के चार प्रमुख धामों को जोड़ने वाली सड़क परियोजना में 15 बड़े पुल, 101 छोटे पुल, 3596 पुलिया, 12 बाइपास सड़कें बनाने का प्रावधान है। इधर ऋषिकेश से कर्णप्रयाग और वहां से जोशीमठ तक रेलमार्ग परियोजना, जो कि नब्बे फीसदी पहाड़ में छेद कर सुरंग से होकर जायेगी, उसने पहाड़ को थर्रा कर रख दिया है। सनद रहे, हिमालय पहाड़ न केवल हर साल बड़ रहा है, बल्कि इसमें भूगर्भीय उठापटक चलती रहती है। यहां पेड़ भूमि को बांध कर रखने में बड़ी भूमिका निभाते हैं । जो कि कटाव व पहाड़ ढहने से रोकने का एकमात्र उपाय है।

पोषण की शक्ति के लिए चेतना की पहल

दीपिका अरोड़ा

आज भी विश्व के 131 देशों में मोटे अनाजों की खेती होती है। एशियाई व अफ्रीकी देशों में लगभग 59 करोड़ लोगों का पारंपरिक भोजन मोटे अनाज ही हैं। इनके वैश्विक उत्पादन में भारत की भागीदारी 20 प्रतिशत है जबकि एशियाई स्तर पर यह हिस्सेदारी 80 प्रतिशत है। भले ही सोच के आधार पर इन्हें निर्धनों का भोजन माना जाता रहा हो किंतु इनकी गुणवत्ता संबंधी अनेक शोध प्रमाणित कर चुके हैं कि पोषण की दृष्टि से मोटे अनाजों का कोई तोड़ नहीं।

वैश्विक मंच पर मोटे अनाजों की पोषक गुणवत्ता उजागर करने के उद्देश्य से, भारत की पहल पर संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 2023 को 'अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष' घोषित किया गया है। निस्संदेह, भोजन जीवन की आवश्यकता है किंतु अच्छे स्वास्थ्य के लिए आहार में विभिन्न पोषक तत्वों का संतुलित समावेश होना भी अनिवार्य है। पोषक गुणवत्ता के दृष्टिकोण से मोटे अनाजों को 'पोषण का पॉवर हाउस' कहना अतिशयोक्ति न होगी। बाजरा, ज्वार, चना, जौ, राजगिरा, ब्राउन राइस, मक्का, रागी आदि इसी श्रेणी के अंतर्गत आते हैं।

ऐतिहासिक अध्ययन बताते हैं कि सभ्यता के विकास-क्रम में आरम्भिक खेती की शुरुआत मोटे अनाजों से ही हुई। 3000 ईसापूर्व सिंधु घाटी सभ्यता के समय भी इनकी उत्पत्ति के प्रमाण मिले हैं। आज भी विश्व के 131 देशों में मोटे अनाजों की खेती होती है। एशियाई व अफ्रीकी देशों में लगभग 59 करोड़ लोगों का पारंपरिक भोजन मोटे अनाज ही हैं। इनके वैश्विक उत्पादन में भारत की भागीदारी 20 प्रतिशत है जबकि एशियाई स्तर पर यह हिस्सेदारी 80 प्रतिशत है। भले ही सोच के आधार पर इन्हें निर्धनों का भोजन माना जाता रहा हो किंतु इनकी गुणवत्ता संबंधी अनेक शोध प्रमाणित कर चुके हैं कि पोषण की दृष्टि से मोटे अनाजों का कोई तोड़ नहीं। महिलाओं पर दस वर्ष तक किए गए हावर्ड इंस्टीट्यूट के अध्ययन के अनुसार, भोजन में प्रतिदिन 35 से 50 ग्राम तक साबुत अनाज या उनसे बने पदार्थों का सेवन करने वाली महिलाओं में हृदयाघात अथवा हृदय रोगों से मृत्यु का स्तर 30 प्रतिशत तक कम रहा। वहीं 1.60 लाख महिलाओं पर 18 वर्ष तक किया गया एक अध्ययन बताता है कि रोजाना औसतन 50 ग्राम साबुत अनाज का सेवन करने वाली महिलाओं में टाइप-2 मधुमेह होने का खतरा 30 प्रतिशत तक घटा। इसी प्रकार 5 लाख महिलाओं व पुरुषों पर 5 वर्षीय अध्ययन के उपरांत यह निष्कर्ष सामने आया कि साबुत अनाज के सेवन से आंत कैंसर का खतरा 21 प्रतिशत तक कम हो जाता है, चूंकि इनमें मौजूद फाइबर आंतों को सेहतमंद बनाए रखता है।

मोटे अनाज न केवल बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करके गुड कोलेस्ट्रॉल में इजाफा करते हैं बल्कि इंसुलिन के स्तर को संतुलित करने के साथ ही रक्त चाप नियंत्रित रखने में भी सहायक सिद्ध होते हैं। होल ग्रेन काउंसिल के अनुसार, प्रतिदिन 50 ग्राम या उससे अधिक मोटे अनाज अथवा उनसे बने पदार्थों के सेवन से अनेक गंभीर बीमारियों का खतरा काफी हद तक कम हो जाता है। हार्ट फाउंडेशन के मुताबिक सुबह के नाश्ते के तौर पर इसका सेवन किया जाना सर्वाधिक फायदेमंद माना गया। मोटे अनाज के रूप में अंकुरित चना प्रत्येक दृष्टि से लाभकारी है। बाजरा कैल्शियम, प्रोटीन, आयरन एवं मैग्नीशियम का प्रमुख स्रोत है। ज्वार ग्लूटेन फ्री होता है, जिसमें फास्फोरस, मैग्नीशियम, रीबोफ्लाविन मुख्य रूप से शामिल होते हैं। राजगिरा में विटामिन बी-2, बी-6, जिंक तथा मैग्नीशियम भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। रागी में आयरन व कैल्शियम का बाहुल्य होता है।

कृषि के तौर पर इन्हें कृषक हितैषी फसलें भी कहा जा सकता है। ये अनाज विषम परिस्थितियों मसलन पानी की कमी, बीमारी इत्यादि से जूझने में सक्षम होते हैं। इनका भंडारण करना सरल है तथा ये लंबे समय तक उपयोगी अवस्था में बने रहते हैं। सर्वेक्षण बताते हैं, भारतीय आहार में 40 प्रतिशत की सहभागिता दर्ज कराने वाले मोटे अनाज अपनी अनेक विशेषताओं के बावजूद, हरित क्रांति के पश्चात, सामान्य भारतीय थाली का अंश बनने में पिछड़ते चले गए। इनका स्थान गेहूं व चावल ने ग्रहण कर लिया। गांवों व शहरों में किये गये एक दशक पूर्व सर्वेक्षण के दौरान खुलासा हुआ कि 10 प्रतिशत से भी कम लोग मोटे अनाज खाने में रुचि दिखाते हैं। मोटा अनाज कृषि को पुनः संबल प्रदान करते हुए भारत सरकार द्वारा 2018 में इन्हें 'पोषक अनाज' का दर्जा दिया गया। 154 विकसित प्रजातियां तैयार की गईं, जो उत्पादकता स्तर में बेहतर व रोगों से लड़ने में अधिक सक्षम थीं। पोषक मोटे अनाजों को केंद्र सरकार की 'मिड डे मील योजना' का हिस्सा भी बनाया गया। निश्चय ही छोटे किसानों के लिए कम लागत में मोटे अनाजों का उत्पादन वरदान साबित हो सकता है किंतु इसके लिए इनके उत्पादन तथा प्रोत्साहन को नकदी फसलों को दी जीने वाली सुविधाओं के समकक्ष लाना होगा।

सरकारी क्रय में इनकी भागीदारी बढ़ाने के साथ न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद भी सुनिश्चित करनी होगी। साथ ही बेहतर किस्में विकसित करने व गुणवत्ता सुधारने पर भी अधिक ध्यान केंद्रित करना होगा। वैज्ञानिक उपचार व उचित दाम का भरोसा अवश्य ही किसानों को मोटे अनाजों की उपज हेतु प्रोत्साहित करेगा। यद्यपि इस दिशा में पहल करते हुए इसके निर्यात की ओर भी ध्यान दिया जाने लगा है तथापि सार्थक प्रयासों के साथ यदि पर्याप्त जन-जागरूकता का सुमेल भी हो जाए तो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक बड़ा बाजार विकसित हो सकता है। न केवल इससे विश्व स्तरीय पोषण अभियान को बल मिलेगा अपितु कृषकों की आर्थिक दशा भी अधिक सुदृढ़ होगी।

दिल और बालों के लिए है लाभकारी

कद्दू के सेवन से हृदय रोग का खतरा कम हो सकता है। इसमें मौजूद एंटी ऑक्सीडेंट गुण कोलेस्ट्रॉल के स्तर को समान्य रखने में मदद करते हैं। कद्दू का सेवन बालों के लिए भी लाभदायक माना जाता है। इसमें पोटैशियम, जिंक और अन्य पोषक तत्व भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो बालों को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं।

आंखों को स्वस्थ और कब्ज में मददगार

कद्दू में विटामिन-ए पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है, जो आंखों को स्वस्थ रखने के लिए आवश्यक है। इसके सेवन से आप आंखों की बीमारियों से बच सकते हैं। कद्दू के बीज में फाइबर पाया जाता है, जो पाचन को दुरुस्त रखने में मदद करता है। इसके सेवन से कब्ज की परेशानी से राहत मिल सकती है।

सर्दियों में जरूर खाएं

कद्दू

कद्दू में पोषक तत्व भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। इसमें एंटी ऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं। सर्दियों के मौसम में कद्दू खाना सेहत के लिए काफी फायदमंद माना जाता है। इसके इस्तेमाल से कई स्वादिष्ट व्यंजन भी बनाए जाते हैं। आपने कद्दू की सब्जी तो जरूर खाया होगा, लेकिन इससे खीर, हलवा आदि भी बनाए जा सकते हैं। कद्दू में एंटी ऑक्सीडेंट और एंटी इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, जो शरीर को कई बीमारियों से बचाते हैं। कद्दू में गुण बहुत हैं न सिर्फ यह कोलेस्टेरोल और नमक से शून्य है, चिकनाई भी इसमें बिलकुल नहीं है। पश्चिम में जहां यह हेलोवीन की शोभा है पाई की शान है वहीं भारत में यह ब्याह शादियों में कचौड़ी, पूरी का भाई है। रायते का सहोदर है, हलवे की शान है। इसके बीजों की अपनी उपयोगिता है चाहे इन्हें भून के खाओ चाहे मिष्ठान्न पे सजाओ। इसके प्रति सौ ग्राम से ऊर्जा के रूप में आपको मात्र 26 केलोरीज मिलेंगी।

त्वचा और बालों के लिए वरदान

कद्दू विटामिन ए का एक अद्भुत स्रोत है। विटामिन ए एक एंटी-एजिंग पोषक तत्व है जो आपकी त्वचा की कोशिका नवीकरण प्रक्रिया में मदद करता है और स्मूथ और ग्लोइंग त्वचा के लिए कोलेजन का उत्पादन बढ़ाता है। इसके अलावा इसे खाने से हीमोग्लोबिन का लेवल आपको ताजा महसूस कराता है और पिंपल्स से लड़ने में मदद करता है। इसके अलावा इस सब्जी को खाने से आपको सर्दियों में होने वाली डैंड्रफ भी परेशान नहीं करती है। कद्दू का गूदे से आप एक अच्छा नैचुरल फेस मास्क बना सकते हैं जो त्वचा को एक्सफोलिएट करता है। वहीं ब्लड प्रेशर के प्रबंधन में पोटेशियम का अपना हाथ रहता है।

आयरन से भरपूर

कद्दू आयरन से भरपूर होता है। आयरन एक आवश्यक तत्व है और हम इसे अपने भोजन विकल्पों से प्राप्त करते हैं। आयरन के कम लेवल से एनीमिया हो सकता है जिससे एनर्जी का लेवल कम होना, चक्कर आना, त्वचा और नाखूनों का पीला होना जैसी समस्याएं हो सकती हैं। आप इस पौष्टिक सब्जी को खाकर आयरन को सबसे स्वादिष्ट तरीके से प्राप्त कर सकते हैं। कसरत करने के बाद आप एक केले से जितना पोटेशियम खनिज प्राप्त करते हैं उससे ज्यादा प्रति सौ ग्रैम से 340 मिलिग्राम आपको कद्दू मुहैया करवा देगा।

इम्युनिटी बढ़ाने में सहायक

कद्दू में मैग्नीशियम पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। इसके साथ, यह विटामिन-ए, विटामिन-सी, विटामिन-ई और बीटा-कैरोटीन से भरपूर होता है। जो इम्युनिटी को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। आप इसके सेवन से कई बीमारियों से बच सकते हैं।

मौसमी बीमारियों से बचाव

इस मौसम में सर्दी-खांसी, जुकाम और गले में खराश की समस्या ज्यादातर लोगों को परेशान करती है। ऐसे में कद्दू आपकी मदद कर सकता है। इसमें विटामिन ए, ई, सी और आयरन भरपूर मात्रा में होता है जो आपकी इम्यूनिटी को मजबूत करता है और आप छोटी-मोटी बीमारियों से बचे रहते हैं। अगर आप वजन कम करना चाहते हैं, तो डाइट में कद्दू शामिल कर सकते हैं। एक्सपर्ट के अनुसार, इसमें कैलोरी कम मात्रा में होती है। जिससे वजन कम होने में मदद मिलती है।

हंसना मना है

विणा अपने पति से: तुम सच में, बहुत सीधे साधे और भोले हो, तुम्हे कोई भी आसानी से बेवकूफ बना सकता है। पति: सच कह रही हो, शुरुवात तो तुम्हारे पापा ने ही की है।

पति: अगर मै मर गया तो तुम दूसरी शादी करोगी? वाईफ: नहीं, मै अपनी बेहेन के साथ पूरी जिन्दगी रह लुंगी। वाईफ: अगर मै मर गयी तो तुम दूसरी शादी करोगे? हसबंड: मै भी तुम्हारी बेहेन के साथ पूरी जिन्दगी रह लूंगा।

पहला दोस्त: यार मै जिस लड़की को चाहता हुं, उसने मुझसे शादी नहीं की। दूसरा दोस्त: तुमने उसे बताया के तेरा चाचा करोडपती है? पहला दोस्त: हां मेने बताया था। दूसरा दोस्त: तो फिर? पहला दोस्त: अब वो मेरी चाची है।

बंता ने संता से पूछा: आपको एयर होस्टेस ने थप्पड़ क्यों मारा? संता: मैंने पूछा की, सुसु करने की जगह कहा है, वो बोली पीछे, मैंने कहा पहले तो आगे हुआ करती थी।

शादी की सालगिरह पर पत्नी को गुलाब देते हुए पति बोला, सालगिरह मुबारक हो! पत्नी: यह नहीं मुझे कोई सोने की चीज चाहिए, पति: ओ, यह लो तकिया और आराम से सो जाओ।

कहानी | गौरैया और घमंडी हाथी

एक पेड़ पर एक चिड़िया अपने पति के साथ रहा करती थी। चिड़िया सारा दिन अपने घोंसले में बैठकर अपने अंडे सेती रहती थी और उसका पति दोनों के लिए खाने का इंतजाम करता था। वो दोनों बहुत खुश थे और अंडे से बच्चों के निकलने का इंतजार कर रहे थे। एक दिन चिड़िया का पति दाने की तलाश में अपने घोंसलें से दूर गया हुआ था और चिड़िया अपने अंडों की देखभाल कर रही थी। तभी वहां एक हाथी मदमस्त चाल चलते हुए आया और पेड़ की शाखाओं को तोड़ने लगा। हाथी ने चिड़िया का घोंसला गिरा दिया, जिससे उसके सारे अंडे फूट गए। चिड़िया को बहुत दुख हुआ। उसे हाथी पर बहुत गुस्सा आ रहा था। जब चिड़िया का पति वापस आया, तो उसने देखा कि चिड़िया हाथी द्वारा तोड़ी गई शाखा पर बैठी रो रही है। चिड़िया ने पूरी घटना अपने पति को बताई, जिसे सुनकर उसके पति को भी बहुत दुख हुआ। उन दोनों ने घमंडी हाथी को सबक सिखाने का निर्णय लिया। वो दोनों अपने एक दोस्त कठफोड़वा के पास गए और उसे सारी बात बताई। कठफोड़वा बोला कि हाथी को सबक मिलना ही चाहिए। कठफोड़वा के दो दोस्त और थे, जिनमें से एक मधुमक्खी थी और एक मेंढक था। उन तीनों ने मिलकर हाथी को सबक सिखाने की योजना बनाई, जो चिड़िया को बहुत पसंद आई। अपनी योजना के तहत सबसे पहले मधुमक्खी ने हाथी के कान में गुनगुनाना शुरू किया। हाथी जब मधुमक्खी की मधुर आवाज में खो गया, तो कठफोड़वे ने आकर हाथी की दोनों आखें फोड़ दी। हाथी दर्द के मारे चिल्लाने लगा और तभी मेंढक अपने परिवार के साथ आया और एक दलदल के पास टर्रटराने लगा। हाथी को लगा कि यहां पास में कोई तालाब होगा। वह पानी पीना चाहता था, इसलिए दलदल में जाकर फंसा। इस तरह चिड़िया ने मधुमक्खी, कठफोड़वा और मेंढ़क की मदद से हाथी से बदला ले लिया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज आपके व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। सत्ता के प्रति सुख की प्राप्ति होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। परेशानियों का समाधान आसानी से मिलने की संभावना है।

वृषभ

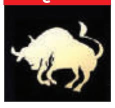

ध्यान और योग न केवल आध्यात्मिक तौर पर, बल्कि शारीरिक तौर पर भी आपके लिए फ़ायदेमन्द साबित होंगे। पेशेवर तौर पर आज का दिन सकारात्मक रहेगा।

मिथुन

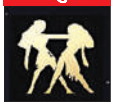

आज आपका दिन अच्छा रहेगा। छोटे पैमाने पर अगर आप कोई काम शुरू कर रहे हैं, तो आगे चलकर आपको फायदा हो सकता है। महिला उद्यमियों को धनलाभ हो सकता है ।

कर्क

आज करीबी लोग आपके निजी जीवन में परेशानियां खड़ी कर सकते हैं। जिनसे पैसे लेने हैं, उनसे वसूली भी कर सकते हैं। निजी उलझनों में पड़ कर अपनी एकाग्रता न टूटने दें।

सिंह

अपने जीवन-साथी के साथ पारिवारिक समस्याओं को साझा करें। एक-दूसरे को भली-भांति जानने के लिए थोड़ा और वक्त एक-दूसरे के साथ बिताएं।

कन्या

आज आपका दिन बेहतर रहेगा। कुछ लोगों से आपको उम्मीद से अधिक फायदा होगा। लवमेट के लिए आज का दिन बढ़िया रहेगा। आपका दाम्पत्य जीवन सुखद बना रहेगा।

तुला

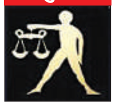

तुला राशि के जातक आज भाग्य की अपेक्षा मेहनत पर जोर दें, विभिन्न स्त्रोतों से लाभ के संकेत हैं। जीवनसाथी आप लोगों को ख़ुशी देने की हर संभव कोशिश करेगा।

वृश्चिक

कामकाम में आपकी तेजी लम्बे समय से चली आ रही समस्या का समाधान कर देगी। आपके ख़र्चों में बढ़ोतरी होगी, जो आपके लिए परेशानी का सबब साबित हो सकती है।

धनु

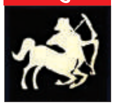

आज आपका मन प्रसन्न रहेगा। आपको किसी तरह के कानूनी मामले में बड़ी मदद मिल सकती है। आप परिवार वालों के साथ शॉपिंग करने जा सकते हैं।

मकर

आज आप कार्य की अधिकता की वजह से अपने घर के सदस्यों को अधिक समय नहीं दे पाएगें। आपका प्रिय को आपसे भरोसे एवं वादे की जरूरत है।

कुम्भ

जीवन-साथी ख़ुशी की वजह साबित होगा। आर्थिक तौर पर सिर्फ और सिर्फ़ एक स्रोत से ही लाभ मिलेगा। घर में उल्लास का माहौल आपके तनावों को कम कर देगा।

मीन

आज शाम तक कोई शुभ समाचार मिल सकता है। घर में खुशियों का माहौल बन सकता है। सोसाइटी के लोग आपसे घर पर मिलने आ सकते हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

दर्शक अब कूड़े के लिए खर्च नहीं करना चाहता : शेट्टी

कुछ दिन पहले ही उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात के दौरान सुनील शेट्टी ने उनसे बायकॉट ट्रेंड से छुटकारा दिलाने में मदद मांगी थी। इसके बाद से एक्टर को लेकर काफी चर्चा हो रही है। सुनील शेट्टी 90 के दशक के सुपरहिट एक्टर रहे हैं। हाल ही में सुनील शेट्टी ने बॉलीवुड फिल्मों की असफलता पर बात की। एक्टर ने कहा कि मानना है कि आज के दौर में दर्शक फिल्मों के नाम पर कचरे के लिए भुगतान करने को तैयार नहीं है। दौरान सुनील शेट्टी ने कहा कि दर्शक अब कूड़े के लिए खर्च नहीं करना चाहते और यही वजह है कि बॉलीवुड इस दौर से गुजर रहा है। एक्टरने बताया कि उनके बच्चे पूछते हैं कि उन्होंने फिल्में करना बंद क्यों कर दिया? इस पर वह जवाब देते हैं कि उन्होंने काफी गलतियां की हैं और दर्शक अब उस कचरे के लिए भुगतान करने के लिए तैयार नहीं हैं। सुनील शेट्टी ने कहा कि बॉलीवुड को यह समझने की जरूरत है कि अर्थशास्त्र कैसे काम करता है। मेकर्स फिल्म को बेहतर बनाने के लिए सेलेब्रिटी की फीस पर बजट के आधे से ज्यादा खर्च करने को रेडी नहीं हैं। एक्टर ने कहा कि 90 के दशक और वर्तमान हालातों के बीच काफी अंतर आ गया है। पहले सितारों को इस तरह से जज नहीं किया जाता था, जैसे आज किया जाता है। सुनील शेट्टी ने बताया कि उनकी पहली फिल्म आरजू बंद हो गई थी, लेकिन, एक्शन में अच्छे होने के कारण उन्होंने दूसरी फिल्में साइन की। अगर उनके साथ आज के दौर में ऐसा होता तो वह बर्बाद हो जाते। सोशल मीडिया पर इसे लेकर प्रतिक्रिया होती। बता दें कि सुनील शेट्टी आखिरी बार वेब सीरीज धारावी बैंक में नजर आए। जल्द ही वह हेरा फेरी 3 में नजर आएंगे।

फिर लौट रही है तापसी पन्नू की हसीन दिलरुबा

तापसी पन्नू एक बार फिर दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। एक्ट्रेस हसीन दिलरुबा बनकर वापसी कर रही है। हसीन दिलरुबा की शूटिंग 11 जनवरी से शुरू हो चुकी है। फिल्म की शूटिंग शुरू होने की पुष्टि खुद फिल्म के निर्माता आनंद एल राय ने पोस्ट साझा करके की। वहीं सोशल मीडिया पर स्टार कास्ट ने पहला पोस्टर भी शेयर किया है। एक्ट्रेस ने अपनी आने वाली फिल्म फिर आई हसीन दिलरुबा का पोस्टर रिलीज कर दिया। पोस्टर में वह लाल साड़ी में बैठी नजर आ रही है। इस पोस्टर में तापसी का चेहरा नजर नहीं आ रहा है। पोस्टर शेयर करते हुए तापसी ने लिखा, एक नए शहर में, फिर एक बार... तहलका मचाने आ रही है, हमारी हसीन दिलरुबा! फिल्म के डायरेक्टर आनंद एल राय ने हसीन दिलरुबा की शूटिंग शुरू होने की जानकारी देते हुए ट्वीट किया, हमारी हसीन दिलरुबा, फिर आई हसीन दिलरुबा की शूटिंग आज से शुरू हो गई है... उन्होंने आगे लिखा, तापसी तुझे बोला था न 9 बजे पोस्टर लगाने के लिए... तो अभी तक डाला क्यों नहीं?

2021 में रिलीज हुआ था पार्ट-1

विनी मैथ्यू द्वारा निर्देशित और कनिका ढिल्लन द्वारा लिखित हसीन दिलरुबा का पहला पार्ट 2021 में ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुआ था। दर्शकों को फिल्म काफी पसंद आई थी। इस फिल्म में विक्रांत, तापसी पन्नू और अभिनेता हर्षवर्धन राणे मुख्य भूमिका निभाई थी। बता दें तापसी इस फिल्म के अलावा जल्द ही शाहरुख खान के साथ फिल्म 'डंकी' में नजर आने वाली हैं।

सेल्स टैक्स विभाग के खिलाफ हाई कोर्ट पहुंचीं अनुष्का शर्मा

बॉलीवुड | गपशप

अनुष्का शर्मा एक बार फिर से सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार वह अपनी किसी फिल्म के कारण नहीं, बल्कि सेल्स टैक्स विभाग को चुनौती की वजह से खबरों में हैं। दरअसल, एक्ट्रेस ने हाई कोर्ट में विभाग की कार्रवाई को चुनौती देते हुए याचिका दाखिल की है। बता दें कि कुछ समय पहले ही सेक्स टैक्स विभाग ने 2012-2013 और 2013-2014 के बकाया टैक्स की वसूली के लिए अनुष्का के खिलाफ नोटिस जारी किए थे। अब जज अभय आहूजा और नितिन जामदार ने अनुष्का के खिलाफ चल रहे इस मामले पर सेल्स टैक्स विभाग को जवाब देने की अपील की है। अनुष्का ने विभाग से उनके खिलाफ जारी नोटिस को रद्द करने की अपील की है। एक्ट्रेस ने इससे पहले 2012 और 2016 में भी याचिका दायर करवाई थी। अब उन्होंने फिर से पिछले सप्ताह नई याचिका दायर की है। इस मामले पर 6 फरवरी को सुनवाई की जाएगी। वहीं, सेल्स टैक्स विभाग को इस याचिका का जवाब देने के लिए 3 हफ्तों का समय दिया गया है। अपनी याचिका में अनुष्का शर्मा ने दलील दी है कि उन पर जो टैक्स लगा है वो फिल्म एक्ट्रेस होने के लिए नहीं, बल्कि अवॉर्ड फंक्शन्स में एंकरिंग और प्रोडक्ट इंडोर्समेंट के लिए लगाया गया है। ऐसे में उनके खिलाफ 2012-13 में 1.2 करोड़ रुपये और उसके अगले साल 1.6 करोड़ रुपये के टैक्स का नोटिस जारी किया है। गौरतलब है कि इस मामले की पिछली सुनवाई में यानी 2022 में कोर्ट ने अनुष्का शर्मा को जोरदार फटकार लगाई थी। कोर्ट का कहना था कि टैक्स कंसल्टेंट के जरिए दायर याचिका को न तो एक्ट्रेस ने कभी खुद सुना और न ही देखा है। अदालत में अनुष्का के वकील से यह भी पूछा गया है कि एक्ट्रेस क्यों खुद याचिका दायर नहीं कर सकतीं? कोर्ट की इस फटकार के बाद अनुष्का ने अपनी याचिकाओं को वापस ले लिया और अब फिर से खुद नई याचिका दायर की है।

अजब-गजब

दुनिया का सबसे खतरनाक पौधा है जिम्पई

छूकर लोग कर लेते हैं आत्महत्या

प्रकृति अपने आप में कई रहस्यों को समेटे हुए है। यहां ऐसी-ऐसी चीजें देखने को मिलती हैं, जो अपने आप में अनोखी होती हैं। वैज्ञानिक इन पर रिसर्च करते हैं। जंगलों में कई तरह के रहस्य और खतरे छिपे हुए रहते हैं। बता दें कि सिर्फ जीव जंतु ही नहीं बल्कि पेड़ पौधे भी जहरीले होते हैं। आज हम आपको एक ऐसे ही पौधे के बारे में बताने जा रहे हैं, जो सांप से भी ज्यादा जहरीला और खतरनाक है। सिर्फ इसे छूने मात्र से लोगों को इतनी असहनीय पीड़ा होती है कि लोगों को सुसाइड करने का मन करता है। इसको छूने वाले कई लोगों ने तो खुद को गोली मार ली। इस पौधे का नाम जिम्पई है।

दरअसल, कुछ साल पहले मरिना हर्ले नाम की एक वैज्ञानिक ऑस्ट्रेलियाई वर्षावनों पर शोध कर रही थीं। वैज्ञानिक होने के नाते वे जानती थीं कि जंगलों में कई खतरे होते हैं। यहां तक कि पेड़-पौधे भी जहरीले हो सकते हैं। इससे बचने के लिए उन्होंने हाथों में वेल्डिंग ग्लव्स और बॉडी सूट पहना हुआ था। अलग लगने वाले तमाम पेड़-पौधों के बीच वे एक नए पौधे के संपर्क में आईं। वेल्डिंग ग्लव्स पहने हुए ही उन्होंने उसकी स्टडी करनी चाही, लेकिन ये कोशिश भारी पड़ गई। जैसे ही हर्ले ने उस पौधे को छुआ तो उनका

दर्द से हाल बेहाल हो गया। वह अस्पताल पहुंचीं तो उनका सारा शरीर लाल पड़ चुका था और वह जलन से चीख रही थीं। मरिन को ठीक होने में काफी समय लगा और उन्हें लंबे वक्त तक अस्पताल में स्टेरॉयड लेकर रहना पड़ा। बाद में डिस्कवरी को दिए इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि ये दर्द वैसा ही था, जैसे किसी को बिजली का झटका देते हुए ऊपर से एसिड उड़ेल दिया जाए।

जिम्पई नाक का यह खतरनाक पौधा मौत का दूसरा नाम है। इस पौधे को सबसे पहले साल 1866 में रिपोर्ट किया गया था। इस दौरान जंगलों से गुजर रहे कई जानवर, खासकर घोड़ों की भयंकर दर्द से मौत होने लगी। जांच में पता लगा कि सब एक ही रास्ते से गुजर रहे थे और एक जैसे पौधों के संपर्क में आए थे। वहीं दूसरे विश्व युद्ध के दौरान कई आर्मी अफसर भी इसका शिकार हुए और कईयों ने दर्द से बेहाल खुद को गोली मार ली। इसके बाद से ही इसपर ज्यादा ध्यान गया। इस पौधे को सुसाइड प्लांट भी कहा जाता है। इस पौधे को कई और नाम से भी जाना जाता है जैसे जिम्पई स्टिंगर, स्टिंगिंग ब्रश और मूनलाइटर। ऑस्ट्रेलिया के अलावा ये मोलक्कस और इंडोनेशिया में भी मिलता है।

दिखने में ये पौधा बिल्कुल सामान्य पौधे जैसा है, जिसकी पत्तियां हार्ट के आकार की होती हैं और पौधे की ऊंचाई 3 से 15 फीट तक हो सकती है। रोएं की तरह बारीक लगने वाले कांटों से भरे इस पौधे में न्यूरोटॉक्सिन जहर होता है, जो कांटों के जरिए शरीर के भीतर पहुंच जाता है। न्यूरोटॉक्सिन जहर सीधे सेंट्रल नर्वस सिस्टम पर असर डालता है। इससे मौत भी हो सकती है। कांटा लगने के लगभग आधे घंटे बाद दर्द की तीव्रता बढ़ने लगती है जो लगातार बढ़ती ही जाती है अगर जल्दी इलाज न मिले।

ब्राजील-चीन से निकलकर भारत कैसे पहुंच गया साबूदाना? कभी लाखों लोगों की बचाई थी जान

भारत में कई ऐसे व्यंजन हैं जो दूसरे देशों से आए हैं और लोगों को उसके बारे में पता भी नहीं है। ऐसा ही एक व्यंजन है साबूदाना। व्रत-त्योहार के मौके पर साबूदाने का सेवन लोग करते हैं क्योंकि इसे शुद्ध माना जाता है। नवरात्र के दौरान साबूदाने की खिचड़ी एक खास व्यंजन है जिसका सेवन लोग करते हैं। इसमें कार्बोहाइड्रेट की मात्रा काफी होती है, साथ में स्टार्च भी होता है जिससे पेट लंबे वक्त तक भरा रहता है। आज हम आपको साबूदाने के फायदे नहीं बताने जा रहे, बल्कि ये बताने जा रहे हैं कि ये व्यंजन ब्राजील और चीन से भारत कैसे पहुंच गया और कैसे इसने एक बार लाखों लोगों की जान बचाई। साबूदाना टापिओका या कसावा की जड़ों से बनता है। इसके साफ किया जाता है और जड़ को क्रश किया जाता है। इससे दूध जैसा एक तरल पदार्थ निकलता है। पदार्थ से जब सारी गंदगी निकाल दी जाती है तो फिर वो और गाढ़ा हो जाता है और मशीन की मदद से उसे गोल कर दिया जाता है। इसके बाद उसे स्टीम, रोस्ट और ड्राय किया जाता है। कुछ और स्टेप के बाद वो साबूदाना बनता है जिसे हम खाते हैं। टापिओका की जड़ें मूल रूप से ब्राजील में पाई जाती हैं। सीएन ट्रैवलर की रिपोर्ट के अनुसार चीन में तो हजारों सालों से इसका इस्तेमाल खाने में किया जाता था। पर केरल में इसका इसका इस्तेमाल सबसे पहले शुरू हुआ। इस्तेमाल के शुरू होने का भी इतिहास काफी अनोखा है। हुआ यूं कि साल 1800 के दौर में त्रावणकोर राज्य में भूखमरी फैली जिससे लोगों की जान जाने लगी। इस बात से वहां के राजा अयलेयम थिरुनल रामा वर्मा और उनके छोटे भाई विशाखम थिरुनल महाराजा काफी चिंतित हुए। विशाखम एक वनस्पति-वैज्ञानिक थे और उन्होंने अपने अनुभव से पता लगाया कि टापिओका के जरिए भुखमरी को कम किया जा सकता है। उन्होंने इन जड़ों की जांच की और पाया कि अगर इन्हें खास तरह से पकाया जाए, तो इन्हें खाया जा सकता है। उन्होंने अपने राज्य के लोगों से इसे खाने का आग्रह किया पर विदेशी जड़ होने के चलते लोग इससे बचते रहे। उन्हें लगा कि इसमें जहर भी हो सकता है। तब राजा ने फैसला किया कि वो अपने शाही खाने में इस पकवान को भी शामिल करेंगे। जनता में विश्वास पैदा करने के लिए उन्होंने सबसे पहले खुद इस डिश को खाया। जब जनता को भरोसा हो गया तो वो इसे खाने लगे और कई लोगों की जान बच गई।

राहुल की भारत जोड़ो यात्रा जालंधर से शुरू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जालंधर। कांग्रेस पार्टी की भारत जोड़ो यात्रा इन दिनों पंजाब दौरे पर है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के नेतृत्व में पार्टी की भारत जोड़ो यात्रा की शुरुआत पंजाब के जालंधर के काला बकरा गांव से हुई। इस दौरान पार्टी नेताओं व स्थानीय लोगों ने हिस्सा लिया।

19 जनवरी को जम्मू में करेगी प्रवेश

भारत जोड़ो यात्रा के बारे में कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हम 19 जनवरी की दोपहर में जम्मू में प्रवेश करेंगे। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 30 जनवरी को श्रीनगर आने के लिए 23 पार्टियों को आमंत्रित किया है, मुझे नहीं पता कि उनमें से कितने लोगों ने निमंत्रण स्वीकार किया है, लेकिन हम उम्मीद करते हैं कि वे सभी आएंगे। उन्होंने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा एक आंदोलन है, एक जन आंदोलन है। वे लोग परेशान हैं। बता दें कि एक दिन पहले कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा में पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह ने शिरकत की थी। राहुल गांधी ने ट्वीट कर सिद्धू मूसेवाला के पिता के साथ एक तस्वीर को भी साझा किया। उन्होंने लिखा कि आज जलंधर में मशहूर पंजाबी गायक और कांग्रेस नेता स्वर्गीय सिद्धू मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह यात्रा में शामिल हुए। मैंने उनमें अद्भुत साहस और धीरज देखा। उनकी आंखों में अपने बेटे के लिए गर्व, और दिल में बेशुमार प्यार झलकता है। ऐसे पिता को मेरा सलाम है। उनमें अद्भुत साहस और धीरज देखा मैंने। उनकी आंखों में अपने बेटे के लिए गर्व, और दिल में बेशुमार प्यार झलकता है। मेरा सलाम है ऐसे पिता को!

उल्लेखनीय है कि कांग्रेस सांसद संतोख सिंह चौधरी के निधन के चलते एक दिन के लिए यात्रा रोक दी गई थी। बीते शनिवार को कांग्रेस सांसद संतोख सिंह चौधरी को भारत जोड़ो यात्रा के दौरान हार्ट अटैक पड़ा था। इसके बाद उन्हें तुरंत ही अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था।

बेंगलुरु में प्रियंका हुईं सक्रिय

बेंगलुरु। कर्नाटक में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस भी अपनी तैयारी में जुट गई है। पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी चुनाव को लेकर एक्टिव हो गई हैं। प्रियंका राजधानी बेंगलुरु में आज बड़ी रैली की। इसके जरिए कांग्रेस ने अपना इस दक्षिणी राज्य अपना चुनावी बिगुल फूंका।

महिलाओं पर कांग्रेस का फोकस

कांग्रेस का फोकस खासतौर पर महिला वोटर है। दरअसल, कर्नाटक में महिला वोटरों की संख्या करीब 50 फीसदी है। ऐसे में पार्टी महिला वोटरों को लुभाने के लिए हर संभव कोशिश कर रही है। इसी सिलसिले में प्रियंका आज पैलेस ग्राउंड्स में ना नायकी कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगी। इसके अलावा वह महिलाओं को लेकर बड़े एलान भी कर सकती हैं। कर्नाटक की महिला कांग्रेस अध्यक्ष डॉ पुष्पा अमरनाथ, पूर्व मंत्री उमाश्री और रानी सतीश ने कहा कि वे प्रियंका गांधी से मांग करेंगी कि विधानसभा चुनाव में ज्यादा से ज्यादा टिकट महिलाओं को दी जाएं। पुष्पा अमरनाथ ने कहा कि 74 विधानसभा सीटों में से 109 महिलाओं ने टिकट के लिए आवेदन किया है। हम पार्टी से महिलाओं के लिए कम से कम 30 सीटों की मांग करते हैं। प्रियंका गांधी लंबे समय बाद कर्नाटक आ रही हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा कर्नाटक पहुंचने पर पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी इसमें शामिल हुई थीं। हालांकि, प्रियंका इस यात्रा में हिस्सा नहीं ले सकी थीं। अब प्रियंका गांधी कर्नाटक आ रही हैं। बता दें कि कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का गृह राज्य भी है। ऐसे में खरगे की प्रतिष्ठा भी दांव पर लगी है।

तमिलनाडु : जल्लीकट्टू के दौरान 60 लोग घायल, प्रशासन अलर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मदुरै। मकर संक्रांति के पर्व के साथ ही तमिलनाडु में जल्लीकट्टू का आयोजन भी शुरू हो गया है। इसे लेकर प्रशासन भी अलर्ट हो गया है। बता दें कि पोंगल से लेकर अगले 4 दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में रविवार को मदुरै के अवानियापुरम इलाके में करीब 60 लोग घायल हो गए। इनमें से 20 गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें राजाजी अस्पताल रेफर कर दिया गया है। मदुरै के जिला कलेक्टर अनीश शेखर ने बताया कि सामान्य रूप से घायल लोगों को प्राथमिक इलाज के बाद घर भेज दिया गया है। आयोजन के दौरान अभी तक किसी की मौत की खबर नहीं है।

जिला कलेक्टर ने पालामेडु इलाके में जल्लीकट्टू के आयोजन पर बताया कि सभी जरूरी इंतजाम कर दिए गए हैं। जगह-जगह बैरीकेड लगाकर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि जल्लीकट्टू के आयोजन के दौरान बैल और खेल में भाग लेने वाले सभी लोग सुरक्षित रहें। साथ ही दर्शकों की सुरक्षा का भी ख्याल रखा गया है। विभिन्न जगहों पर करीब 2000 पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। जिला कलेक्टर ने बताया कि हम उम्मीद कर रहे हैं कि किसी को चोट ना लगे लेकिन अगर कोई घायल हो जाता है तो उसके इलाज के पूरे इंतजाम किए गए हैं। अनीश शेखर ने बताया कि हम उम्मीद कर रहे हैं कि सबकुछ आराम से संपन्न हो जाए।

बता दें कि जल्लीकट्टू तमिलनाडु के ग्रामीण इलाकों में खेला जाने वाला पारंपरिक खेल है, जिसमें बैलों की इंसानों से लड़ाई होती है। जल्लीकट्टू को तमिलनाडु के गौरव और संस्कृति का प्रतीक माना जाता है।

मेधज ग्रुप ने मृत पुलिस कर्मियों के आश्रितों को दी मदद

» डेढ़-डेढ़ लाख रुपये की आर्थिक सहायता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मेधज ग्रुप ने मृत पुलिस कर्मियों एवं उनके आश्रितों को आर्थिक सहायता प्रदान की। इस अवसर पर वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने जमकर अपना दम भी दिखाया। आशियाना स्थित मेधज लॉन में मेधज ग्रुप के संस्थापक-डॉ. समीर त्रिपाठी, वित्त निदेशक- अल्का त्रिपाठी, प्रबंध निदेशक- गुंजन त्रिपाठी सहित मेधज कर्मचारियों ने उत्साह से भाग लिया।

मेधज ग्रुप के संस्थापक डॉ. समीर त्रिपाठी द्वारा पुलिस विभाग के सेवा काल के दौरान मृत पुलिस कर्मियों के साथ अपनी संवेदना साझा करते हुए उनके परिवारजनों को डेढ़-डेढ़ लाख रुपये की आर्थिक सहायता मेधज एस्ट्रो फाउंडेशन के माध्यम से वितरित करायी। इसमें एसटीएफ मुख्यालय के चार तथा जनपद गाजियाबाद के एक उपनिरीक्षक की पत्नी को सहायता राशि अल्का त्रिपाठी, वित्त निदेशक ने प्रदान की।

उमा बाजपेयी, पत्नी स्व. अवनींद्र कुमार बाजपेयी-एसटीएफ मुख्यालय लखनऊ, आरक्षी चालक, सुमित्रा देवी, पत्नी स्व. रामपाल-सहायक उपनिरीक्षक लिपिक/एसटीएफ मुख्यालय, सुधा देवी, पत्नी स्व. हितेंद्र कुमार-मुख्य आरक्षी एसटीएफ मुख्यालय लखनऊ, सीमा देवी, पत्नी स्व. आदित्य पाल सिंह-सहायक, उपनिरीक्षक लिपिक-एसटीएफ लखनऊ श्रीमती कृष्णा, पत्नी स्व. रामवीर सिंह- उपनिरीक्षक, जनपद गाजियाबाद को ये सहायता दी गई। इस अवसर पर एसटीफ के प्रमुख आमिताभ यश- अपर पुलिस महानिदेशक, उनकी पत्नी रेनू सिंह, विशाल विक्रम सिंह एसएसपी एसटीएफ सहित, एसटीएफ के समस्त अधिकारी मौजूद रहे। सहायता राशि के वितरण के समय अल्का त्रिपाठी ने सेवा काल में मृत पुलिसकर्मियों के पुत्र-पुत्रियों की शिक्षा का भार वहन करने की भी घोषणा की। आमिताभ यश एवं डॉ. समीर त्रिपाठी द्वारा अपने संबोधन में इस तरह के कल्याणकारी कार्यक्रमों को आगे भी जारी रखने का संकल्प लिया।

अपराध नियंत्रण की प्रभावी व्यवस्थाएं भाजपा सरकार ने किया बर्बाद : अखिलेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बोले- पुलिस थाने दलाली के अड्डे बने साइबर क्राइम का बोलबाला

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एकबार फिर योगी सरकार पर तीखा प्रहार किया। इसबार उन्होंने राज्य की कानून व्यवस्था और पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था बद से बदतर होती जा रही है। प्रदेश सरकार जनता की सुरक्षा में विफल है। समाजवादी सरकार में अपराध नियंत्रण की जो प्रभावी व्यवस्थाएं की गई थीं, उन्हें भाजपा सरकार ने बर्बाद कर दिया।

अपराधियों में पुलिस का डर समाप्त है, अब उस पर भी आए दिन दाग लग रहे हैं। अखिलेश ने सोमवार को जारी बयान में कहा कि प्रदेश में हर दिन हत्या, लूट और अपहरण की घटनाएं होती हैं। थाने और तहसील भ्रष्टाचार व दलाली के अड्डे बन गए हैं। निर्दोषों की पिटाई से मौतें हो रही हैं। साइबर क्राइम का बोलबाला है। पुलिस ठगी के मामलों को खोलने में असफल है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के उत्पीड़न की घटनाएं भी बढ़ती जा रही हैं। सरकार की ओर से बेटियों को बचाने का नारा दिया जा रहा है, लेकिन हकीकत इससे अलग है। गौरतलब हो कि अखिलेश यादव पिछले कुछ दिनों से भाजपा सरकार पर आक्रामक हो गए हैं।

धूमधाम से मनाया गया डिंपल यादव का जन्मदिन

सपाइयों ने प्रदेशभर में मैनपुरी सांसद डिंपल यादव का जन्मदिन मनाया। पार्टी कार्यालय में आयोजित समारोह में अखिलेश यादव के साथ डिंपल की मौजूदगी में महिलाओं ने फूल-माला भेंट कर बधाई दी। इस दौरान जूही सिंह, लीलावती कुशवाहा, किन्नर पायल सिंह, अन्नू टंडन, नेहा यादव, पूजा यादव मौजूद रहीं।

अब कंपकंपाएगी उत्तर भारत में शीतलहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर भारत में एक बार फिर भीषण ठंड और शीतलहर लौटने के आसार हैं, मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली, यूपी, पंजाब, हरियाणा समेत कई राज्यों में अगले दो दिन में ठंड बढ़ेगी। पहाड़ी राज्यों में पड़ रही बर्फबारी का असर अब देश के मैदानी इलाकों पर पड़ने के आसार है। मौसम विभाग के विशेषज्ञों का कहना है कि पश्चिम दिशा से चल रही बर्फीली हवा से बिते दिन को दिल्ली 4.7 डिग्री के साथ ठिठुर गई। तीन दिन बाद दिल्ली के न्यूनतम तापमान में भारी गिरावट दर्ज हुई है। सोमवार को इसमें और गिरावट होने की उम्मीद है। मौसम विभाग की ओर से सप्ताह भर के लिए शीत लहर का यलो अलर्ट जारी किया गया है। आज सवेरे कोहरे के कारण 13 रेलगाड़ियां भी देरी से चल रही हैं। मौसम विभाग ने आशंका जाहिर की है कि पारा तीन डिग्री तक पहुंच सकता है। दिनभर शीत लहर जैसी स्थिति रहेगी। पूरे सप्ताह के लिए विभाग ने यलो अलर्ट जारी किया है। हालांकि 19 जनवरी से तापमान में कुछ राहत मिलने की उम्मीद है।

20 जनवरी तक शीत लहर चलने व सर्द दिन रहने का जारी हुआ है येलो अलर्ट

प्रादेशिक मौसम विज्ञान केंद्र, नई दिल्ली के अनुसार रविवार को उत्तर-पश्चिम दिशा से चल रही शीत लहर से न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज हो रही है। वहीं एनसीआर की बात करें तो अधिकतम तापमान गाजियाबाद में 16.8 डिग्री, गुरुग्राम में 16.3 डिग्री और नोएडा में 17.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार सोमवार से न्यूनतम तापमान में गिरावट होगी। सोमवार को न्यूनतम तापमान तीन डिग्री तक आने की उम्मीद है। मौसम विभाग की मानें तो अगले सप्ताह तक दिल्ली सहित एनसीआर क्षेत्र में घना कोहरा छाए रहने का अनुमान है।

दिल्ली-यूपी के स्कूल हुए गुलजार

फोटो: सुमित कुमार

इस बीच दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड समेत कई राज्यों में स्कूलों की सर्दी की छुट्टियां खत्म हो गई हैं और आज से स्कूल खोल दिए गए हैं। जबकि, राजस्थान, हरियाणा और पंजाब सरकार ने तापमान में फिर से गिरावट आने की संभावना को देखते हुए विंटर वेकेशन बढ़ाने का फैसला किया है। वहीं, बिहार में 16 जनवरी से स्कूल खोले जाने के साथ टाइमिंग में बदलाव किया गया है।

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में स्कूलों को फिर से खोलने का ऐलान किया गया है। बेसिक शिक्षा अधिकारी अरुण कुमार के मुताबिक, आज यानी 16 से कक्षा 1 से 8वीं तक के स्कूल सुबह 10 बजे से लेकर 3 बजे तक खुलेंगे। वहीं, कक्षा 9 से 12 तक के सभी बोर्ड के विद्यालय सुबह 9 बजे से 3 बजे तक स्कूल खोले जाएंगे। बता दें कि बीते दिनों बढ़ती ठंड के चलते स्कूलों को बंद करने का आदेश दिया गया था। दिल्ली के स्कूलों को शीतलहर और कोहरे के चलते 15 जनवरी तक के लिए बंद किया गया था। आज से स्कूल खुल गए हैं। बता दें कि ठंड के चलते शिक्षा निदेशालय के निर्देशों के तहत, राज्य सरकार ने विंटर वेकेशन का ऐलान किया था। हालांकि, इस बीच कक्षा 9 से 12वीं तक के छात्रों की एक्सट्रा क्लासे जारी रहीं। उधर पटना के डीएम के चंद्रशेखर ने आज से सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों को खोलने का आदेश जारी किया है, हालांकि, शीतलहर और ठंड का सितम जारी है लेकिन तापमान में पहले से कम गिरावट देखी जा रही है, एहतिहात के तौर पर पटना में स्कूल खुलने के समय में बदलाव किया गया है।

कॉलेजियम में अपना प्रतिनिधि चाहती है सरकार

» केंद्रीय कानून मंत्री ने मुख्य न्यायाधीश को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय कानून मंत्री किरण रिजिजू ने कथित तौर पर मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ को पत्र लिखकर सुझाव दिया है कि सरकार के प्रतिनिधियों को भी सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम में शामिल किया जाना चाहिए।

रिजिजू ने यह भी कहा है कि राज्य के प्रतिनिधियों को भी उच्च न्यायालय के कॉलेजियम का हिस्सा होना चाहिए। कानून मंत्री के मुताबिक, इससे 25 साल पुराने कॉलेजियम सिस्टम में पारदर्शिता और सार्वजनिक जवाबदेही आएगी। बता दें कि कॉलेजियम न्यायाधीशों की नियुक्ति पर फैसला करता है।

न्यायाधीशों की नियुक्ति की प्रक्रिया को लेकर सरकार और न्यायपालिका के बीच चल रही खींचतान में यह पत्र नवीनतम है। एक महीने पहले रिजिजू ने पारदर्शिता और जवाबदेही की कमी के लिए वर्तमान प्रक्रिया की आलोचना की थी।

केंद्रीय मंत्री के काफिले की कार पलटी, कई जख्मी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। केंद्रीय राज्य मंत्री अश्विनी चौबे के काफिले में शामिल पुलिस का एस्कार्ट वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। ये हादसा रविवार रात को हुआ, जिसमें कई पुलिसकर्मी घायल हो गए हैं। जानकारी के अनुसार ये हादसा उस समय हुआ जब केंद्रीय मंत्री बक्सर से पटना जा रहे थे।

मंत्री ने ट्विटर पर हादसे का वीडियो साझा किया, जिसमें उन्हें दुर्घटना में पलटे एस्कॉर्ट वाहन का निरीक्षण करते देखा जा सकता है। मंत्री ने ट्विट करते हुए लिखा, बक्सर से पटना जाने के क्रम में डुमराव के मठीला-नारायणपुर पथ के सड़की पुल के नहर में कारकेड में चल रही कोरानसराय थाने की गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई है।

चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों को दिखाया कैसे करेगा आरवीएम काम

» कांग्रेस, राजद, राकांपा समेत कई पार्टियों के नेता हुए शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय चुनाव आयोग ने आज राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को रिमोट वोटिंग मशीन (आरवीएम) का प्रदर्शन किया। आयोग ने इस मशीन के एक प्रोटोटाइप पर सभी दलों के नेताओं को डेमो दिखाया। बैठक में कांग्रेस, राजद, राकांपा समेत कई दलों के नेता शामिल हुए।

29 दिसंबर 2022 को चुनाव आयोग ने इसके बारे में मीडिया को बताया था। ये ऐसी मशीन है, जिसकी मदद से प्रवासी नागरिक बिना गृह राज्य आए अपना वोट डाल सकते हैं।

आसान शब्दों में समझें तो अगर आप उत्तर प्रदेश के कानपुर में पैदा हुए और आपको किसी कारण केरल या देश के किसी दूसरे राज्य में रहना पड़ रहा है। ऐसे में वोटिंग के समय आमतौर पर आप अपने गृहराज्य नहीं जा पाते हैं। इसके चलते आप वोट भी नहीं डाल पाते।

दुर्घटनाग्रस्त विमान का ब्लैक बॉक्स मिला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। रविवार को दुर्घटनाग्रस्त हुए यति एयरलाइंस के विमान का ब्लैक बाक्स मिल गया है। गौरतलब हो कि एटीआर विमान 72 लोगों के साथ दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। नेपाल के अधिकारियों के हवाले से ये जानकारी दी गई है।

72 लोंगों ने गंवाई जान

नेपाल के पोखरा में हुई थी दुर्घटना

काठमांडू से 72 लोगों को लेकर जा रहा दो इंजन वाला एटीआर 72 विमान रविवार को पर्यटन शहर पोखरा में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। नेपाल के नागर विमानन प्राधिकरण (सीएएन) के अनुसार 'यति एयरलाइंस के 9एन-एएनसी एटीआर-72 विमान ने रविवार को 10 बजकर 33 मिनट पर काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी। पोखरा हवाई अड्डे पर उतरते वक्त विमान पुराने हवाई अड्डे और नए हवाई अड्डे के बीच सेती नदी के तट पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। एटीआर-72 एक ट्विन-इंजन टर्बोप्रॉप क्षेत्रीय एयरलाइनर है जिसे फ्रांस और इटली में विमान निर्माता एटीआर द्वारा विकसित किया गया है। एटीआर फ्रांस की एयरोस्पेस कंपनी एयरोस्पाटाइल और इतालवी विमानन समूह एरीटालिया का एक संयुक्त उद्यम है। वर्तमान में, केवल बुद्ध एयर और यति एयरलाइंस नेपाल में एटीआर-72 विमान का इस्तेमाल करती हैं। नेपाल के नागर विमानन प्राधिकरण के प्रवक्ता जगन्नाथ निरौला ने कहा कि नेपाल में एटीआर-72 विमान से संबंधित यह पहली दुर्घटना है। 'एविएशन सेफ्टी नेटवर्क के आंकड़ों के मुताबिक, रविवार की दुर्घटना नेपाल के इतिहास में तीसरी सबसे भीषण दुर्घटना थी। यति एयरलाइंस के प्रवक्ता सुदर्शन बरतौला ने कहा कि अभी तक किसी के जीवित बचने की कोई सूचना नहीं है। नेपाल का अचानक बदलते मौसम और दुर्गम स्थानों पर बनी हवाई पट्टियों के कारण विमान दुर्घटनाओं का बेहद खराब रिकॉर्ड रहा है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।